<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सांची विश्वविद्यालय में परीक्षाएं प्रारंभ

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज से अकादमिक सत्र 2018-19 की सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारम्भ हो गई हैं। सेमेस्टर परीक्षा 20 मई तक चलेगी। विश्वविद्यालय के अकादमिक परिसर बारला, रायसेन में बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, भारतीय चित्रकला, वैदिक अध्ययन, संस्कृत एवं अंग्रेज़ी भाषा विषयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के छात्र परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं। चीनी भाषा एवं संस्कृत के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए भी परीक्षाएं बुधवार से ही प्रारंभ हुईं।

परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे छात्रों को शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग की सचिव श्रीमती रेनू तिवारी ने छात्रों को अधिक से अधिक अंक अर्जित करने के प्रयास करने का संदेश दिया। श्रीमती तिवारी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनसे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन का आह्वान किया।

रायसेन पत्रिका . गुरुवार, 09 मई, 2019

सांची विश्वविद्यालय में परीक्षाएं प्रारंभ, 20 मई तक चलेंगी

रायसेन. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बुधवार से अकादमिक सत्र 2018-19 की सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारम्भ हुईं। परीक्षा 20 मई तक चलेंगी।

विश्वविद्यालय के अकादमिक परिसर बारला, में बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, भारतीय चित्रकला, वैदिक अध्ययन, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा विषयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के छात्र परीक्षाओं में सम्मिलित हो

रहे हैं। चीनी भाषा एवं संस्कृत के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए भी परीक्षाएं बुधवार से ही प्रारंभ हुईं। विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग की सचिव रेनू तिवारी ने छात्रों को अधिक से अधिक अंक अर्जित करने के प्रयास करने का संदेश दिया। तिवारी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनसे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन का आह्वान किया।

दैनिक जागरण रायसेन

भोपाल, 09 मई 2019

सांची विश्वविद्यालय में परीक्षाएं प्रारंभ

जागरण, रायसेन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज से अकादमिक सत्र 2018-19 की सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारम्भ हो गई हैं। सेमेस्टर परीक्षा 20 मई तक चलेंगी। विश्वविद्यालय के अकादमिक परिसर बारला, रायसेन में बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, भारतीय चित्रकला, वैदिक अध्ययन, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा विषयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के छात्र परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं। चीनी भाषा एवं संस्कृत के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए भी परीक्षाएं बुधवार से ही प्रारंभ हुईं।

परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे छात्रों को शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग की सचिव श्रीमती रेनू तिवारी ने छात्रों को अधिक से अधिक अंक अर्जित करने के प्रयास करने का संदेश दिया। श्रीमती तिवारी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनसे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन का आह्वान किया।

इंडस्ट्री पुनियाजय प्रकाशन

डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2017-19

न दबाव, न भेदभाव

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, शुक्रवार 10 मई 2019

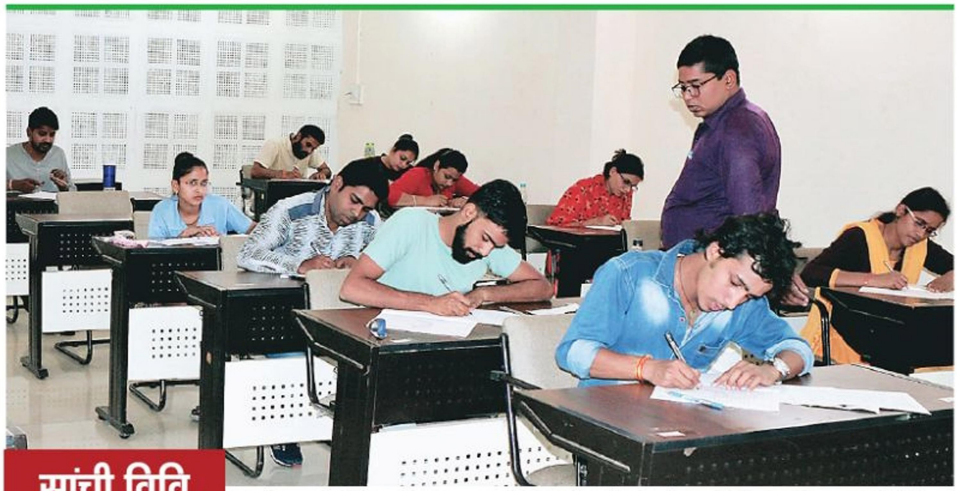

सांची विवि में परीक्षाएं हुई शुरू

रायसेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज से अकादमिक सत्र 2018.19 की सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारम्भ हो गई हैं। सेमेस्टर परीक्षा 20 मई तक चलेगी। विश्वविद्यालय के अकादमिक परिसर बारला रायसेन में बौद्ध अध्ययन भारतीय दर्शन योग एवं समग्र स्वास्थ्य, भारतीय चित्रकला, वैदिक अध्ययन, संस्कृत एवं अंग्रेज़ी भाषा विषयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के छात्र परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं। चीनी भाषा एवं संस्कृत के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए भी परीक्षाएं बुधवार से ही प्रारंभ हुई।

विदिशा
रायसेन

नवदुनिया सिटी

भोपाल, गुरुवार 09 मई 2019

सांची विश्वविद्यालय में बौद्ध अध्ययन भारतीय दर्शन आदि परीक्षाएं प्रारंभ

रायसेन। विश्वविद्यालय में परीक्षा देते विद्यार्थी।

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बुधवार से अकादमिक सत्र 2018-19 की सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारम्भ हो गई हैं। सेमेस्टर परीक्षा 20 मई तक चलेगी। अकादमिक परिसर बारला, रायसेन में बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, भारतीय चित्रकला, वैदिक अध्ययन, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा विषयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के छात्र परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं।

चीनी भाषा एवं संस्कृत के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए भी परीक्षाएं बुधवार से ही प्रारंभ हुई। परीक्षाओं में सममिलित हो रहे छात्रों को शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग की सचिव रेनू तिवारी ने छात्रों को अधिक से अधिक अंक अर्जित करने के प्रयास करने का संदेश दिया।

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

साँची विश्वविद्याय में नए सत्र के प्रवेश प्रारम्भ

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पी.एच.डी, एम.फिल, एम.ए, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों के में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

ऑनलाइन परीक्षा 29 जून, 2019 को आयोजित की जाएगी। छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून, 2019 रखी गई है।

छात्र विषयों, कोर्स फीस, प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम, अहर्यता तथा फीaस, प्रवेश परीक्षा के परिणाम, इंटरव्यू की तिथि तथा उसके परिणाम इत्यादि की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट sanchiuniv.edu.in पर लॉगइन कर सकते हैं।

सांची विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है एवं विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी करने वाले प्रत्येक छात्र को 14 हज़ार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति तथा एम.फिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हज़ार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छात्र विषयों का चयन कर सकते है वो निम्नानुसार हैं-

कार्यक्रम	विषय
एम.ए (प्रत्येक में 25 सीटें)	बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेज़ी, योग विज्ञान, चीनी भाषा
एम.एफ.ए	इंडियन पेंटिंग
एम.फिल	बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, आयुर्वेद, हिंदी, अंग्रेज़ी, इंडियन पेंटिंग, योग
पी.एच.डी	बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, अंग्रेज़ी, आयुर्वेद, चीनी भाषा
डिप्लोमा (25 सीटें)	चीनी भाषा
सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (30 सीटें)	चीनी भाषा, पाली भाषा एवं साहित्य, संस्कृत लेखन एवं संभाषण

पत्रिका BHOPAL TUESDAY 14/05/2019

सांची विवि में नए सत्र के लिए प्रवेश शुरू

भोपाल ◆ सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पीएचडी, एमफिल, एमए, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी, जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी। छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है। छात्र विषयों, कोर्स फीस, प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम, अर्हता तथा फीस, प्रवेश परीक्षा के परिणाम, इंटरव्यू की तिथि तथा उसके परिणाम इत्यादि की जानकारी के लिए विवि की वेबसाइट sanchiuniv.edu.in पर लॉगइन कर ले सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए तथा एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

city भास्कर

TUESDAY, 14/05/2019 . 19

सांची विवि का एडमिशन नोटिफिकेशन जारी

सिटी रिपोर्टर। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने अकादमिक सत्र 2019-20 में पीएचडी, एमफिल, एमए डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दी है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून 2019 को आयोजित की जाएगी। 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

राज एक्सप्रेस

मंगलवार, 14 मई 2019

सांची विश्वविद्यालय में नए सत्र के प्रवेश प्रारंभ

भोपाल (आरएनएन)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पीएचडी, एमफिल, एमए डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों के में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी। छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून 2019 रखी गई है। छात्र विषयों, कोर्स फीस, प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम, अहर्यता तथा फीस, प्रवेश परीक्षा के परिणाम, इंटरव्यू की तिथि तथा उसके परिणाम इत्यादि की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।सांची विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है एवं विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति तथा एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

पत्रिका . मंगलवार, 14 मई, 2019

सांची युनिवर्सिटी

नए सत्र के प्रवेश प्रारंभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पीएचडी, एमफिल, एमए, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों के में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी। जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है। सांची विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति तथा एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

सांची बौद्ध विवि में प्रवेश के लिए परीक्षा 29 जून को

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पीएचडी, एमफिल, एमए, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों के में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी। इसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी। छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है। छात्र विषयों, कोर्स फीस, प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम, अहर्यता तथा फीस, प्रवेश परीक्षा के परिणाम, इंटरव्यू की तिथि तथा उसके परिणाम इत्यादि की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए प्रतिमाह तथा एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कार्यक्रम विषय एमए, प्रत्येक में 25 सीटें, बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, योग विज्ञान, चीनी भाषा एमएफ, बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, आयुर्वेद, हिंदी, अंग्रेी, इंडियन पेंटिंग, योग पीएचडी बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, अंग्रेजी, आयुर्वेद आदि शामिल हैं।

दैनिक जागरण

भोपाल, 14 मई 2019

नए सत्र के लिए प्रवेश प्रारंभ

रायसेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पीएचडी, एमफिल, एमए, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी, जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून, को आयोजित की जाएगी। छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून, 2019 रखी गई है।

छात्र विषयों, कोर्स फीस, प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम, अहर्यता तथा फीड्डस, प्रवेश परीक्षा के परिणाम, इंटरव्यू की तिथि तथा उसके परिणाम इत्यादि की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं। सांची विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है एवं विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति तथा एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छात्र विषयों का चयन कर सकते हैं उनमें एम.ए बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, योग विज्ञान, चीनी भाषा, एमएफए इंडियन पेंटिंग, एमफिल बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, आयुर्वेद, हिंदी, अंग्रेजी, इंडियन पेंटिंग, योग, पीएचडी बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, अंग्रेजी, आयुर्वेद, चीनी भाषा, डिप्लोमा चीनी भाषा, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम चीनी भाषा, पाली भाषा एवं साहित्य, संस्कृत लेखन एवं संभाषण के लिए निर्धारित किए गए हैं।

रायसेन जिला हरिभूमि
मंगलवार 14 मई 2019

सांची विश्वविद्यालय में नए सत्र के प्रवेश प्रारंभ

रायसेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए पीएचडी, एमफिल, एमए, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी, जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन परीक्षा 29 जून को आयोजित की जाएगी। छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है।

छात्र विषयों, कोर्स फीस, प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम, अहर्यता तथा फीस, प्रवेश परीक्षा के परिणाम, इंटरव्यू की तिथि व उसके परिणाम आदि की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

अंग्रेज़ी साहित्य में शोध विधियों पर हुआ व्याख्यान

- **सांची विश्वविद्यालय में प्रो. विकास जाओड़कर ने बताए शोध लिखने के तरीके**
- **शोध में एम.एल.ए स्टाइलशीट, हाईपोथीसिस और साइटेशन का महत्व किया रेखांकित**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा बुधवार को "अंग्रेज़ी साहित्य में शोध कैसे किए जाएं" पर हमीदिया कॉलेज भोपाल में अंग्रेज़ी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास जाओड़कर का व्याख्यान हुआ।

एम.ए, एम.फिल और पी.एच.डी छात्रों को प्रो जाओडकर ने "शोध के विषय का चयन कैसे किया जाए", शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर होता है, अंग्रेज़ी साहित्य में उच्च शिक्षा के उपरांत करिअर विकल्प पर बात की।

छात्रों को प्रो जाओडकर ने बताया कि कितने प्रकार से किसी शोध पत्र को प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने शोध पत्र (थीसिस) लिखने के लिए MLA स्टाइल शीट(Modern Linguistic Approach) का प्रयोग का सुझाव दिया।

प्रो. जाओड़कर ने छात्रों को बताया कि शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। उन्होंने शोध हेतु विभिन्न स्रोतों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे अंग्रेज़ी साहित्य में शोध के लिए कविताएं, उपन्यास, नाटक, निबंध इत्यादि प्राथमिक स्रोत होते हैं। ।

अंग्रेज़ी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार और पत्रकार कमला मार्कंडेय पर किए गए एक शोध के हवाले से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को शोध हेतु किए जाने वाले उद्धरण, एंटी प्लेगिरिज़्म(साहित्य चोरी) के विरुद्ध बने यूजीसी के नियमों के विषय में बताया।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता और अंग्रेज़ी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ नवीन मेहता ने प्रो. विकास जाओड़कर को इस विशिष्ट व्याख्यान को प्रस्तुत करने और छात्रों का ज्ञानवर्धन करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जागरण Lake सिटी
भोपाल, गुरुवार 23 मई 2019

सांची विवि में अंग्रेजी साहित्य में शोध विधियों पर हुआ व्याख्यान

शोध में एम.एल.ए. स्टाइलशीट, हाईपोथीसिस और साइटेशन का महत्व

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा बुधवार को 'अंग्रेजी साहित्य में शोध कैसे किए जाएं' विषय पर हमीदिया कॉलेज भोपाल में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास जाओड़कर का व्याख्यान हुआ।

प्रो. विकास जाओड़कर ने बताए शोध लिखने के तरीके

एम.ए, एम.फिल और पी.एच.डी छात्रों को प्रो. जाओडकर ने 'शोध के विषय का चयन कैसे किया जाए', शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर होता है, अंग्रेजी साहित्य में उच्च शिक्षा के उपरांत कॅरियर विकल्प पर बात की। छात्रों को प्रो. जाओडकर ने बताया कि कितने प्रकार से किसी शोध पत्र को प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने शोध पत्र (थीसिस) लिखने के लिए स्टाइल शीट का प्रयोग का सुझाव दिया। प्रो. जाओड़कर ने छात्रों को बताया कि शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। उन्होंने शोध हेतु विभिन्न स्रोतों का भी जिक्र किया। अंग्रेजी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार और पत्रकार कमला मार्कंडेय पर किए गए एक शोध के हवाले से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को शोध हेतु किए जाने वाले उद्धरण, एंटी प्लेगिरिज्म (साहित्य चोरी) के विरुद्ध बने यूजीसी के नियमों के विषय में बताया।

पत्रिका . गुरुवार, 23 मई, 2019
patrika.com
रायसेन पत्रिका

सांची विवि में बताए शोध लिखने के तरीके

अंग्रेजी साहित्य में प्रो. विकास जाओड़कर का शोध विधियों पर व्याख्यान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा बुधवार को अंग्रेज़ी साहित्य में शोध के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें हमीदिया कॉलेज भोपाल में अंग्रेज़ी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास जाओड़कर ने शोध कैसे किए जाए इसके बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर एमए, एमफिल और पीएचडी छात्रों को प्रो. जाओड़कर ने बताया कि शोध के विषय का चयन कैसे किया जाए। शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर

होता है, अंग्रेजी साहित्य में उच्च शिक्षा के बाद कॅरिअर के विकल्प पर भी चर्चा की गई। प्रो.जाओडकर ने छात्रों को बताया कि कितने प्रकार से किसी शोध पत्र को प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने शोध पत्र थीसिस लिखने के लिए स्टाइल शीट, हाईपोथीसिस और साइटेशन का महत्व भी बताया।

शोध परिकल्पना क्या होती

उन्होंने छात्रों को बताया कि शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। शोध के लिए विभिन्न स्रोतों की भी जानकारी दी। कैसे अंग्रेजी साहित्य में शोध के लिए कविताएं, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि प्राथमिक स्रोत होते हैं।

प्रो. जाओड़कर ने अंग्रेजी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार और पत्रकार कमला मार्कंडेय पर किए गए एक शोध के हवाले से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता हैं। उन्होंने छात्रों को शोध के लिए किए जाने वाले उद्धरण, एंटी प्लेगिरिज्म, साहित्य चोरी के विरुद्ध बने यूजीसी के नियमों के विषय में बताया। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता और अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन मेहता ने प्रो. जाओड़कर का आभार व्यक्त किया।

पत्रिका Thu, 23 May 2019
epaper.patrika.com/c/39658380

अंग्रेजी साहित्य के शोध में एमएल, स्टाइलशीट, हाईपोथीसिस और साइटेशन का महत्व बताया

रायसेन। अंग्रेजी साहित्य में शोध विधियों पर हुआ व्याख्यान।

रायसेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा बुधवार को अंग्रेजी साहित्य में शोध कैसे किए जाए, पर हमीदिया कॉलेज भोपाल में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास जाओड़कर का व्याख्यान हुआ। एमए, एमफिल और पीएचडी छात्रों को प्रो. जाओड़कर ने शोध के विषय का चयन कैसे किया जाए।

शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर होता है, अंग्रेजी साहित्य में उच्च शिक्षा के उपरांत कॅरिअर विकल्प पर बात की। छात्रों को प्रो जाओड़कर ने बताया कि कि तने प्रकार से किसी शोध पत्र को प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रो. जाओड़कर ने छात्रों को बताया कि शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। उन्होंने शोध हेतु विभिन्न स्रोतों का भी क्रि किया। उन्होंने बताया कि कैसे अंग्रेजी साहित्य में शोध के लिए कविताएं, उपन्यास, नाटक, निबंध इत्यादि प्राथमिक स्रोत होते हैं। अंग्रेजी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार और पत्रकार कमला मार्कंडेय पर किए गए एक शोध के हवाले से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को शोध हेतु किए जाने वाले उद्धरण, यूजीसी के नियम बताए।

दैनिक जागरण रायसेन
भोपाल, 23 मई 2019

सांची विश्वविद्यालय में प्रो. विकास जाओड़कर ने बताए शोध लिखने के तरीके

अंग्रेजी साहित्य में शोध विधियों पर हुआ व्याख्यान

◆ शोध में एमएलए स्टाइलशीट, हाईपोथीसिस और साइटेशन का महत्व किया रेखांकित

जागरण, रायसेन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा बुधवार को अंग्रेजी साहित्य में शोध कैसे किए जाएं पर हमीदिया कॉलेज भोपाल में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास जाओड़कर का व्याख्यान हुआ।

एमए, एमफिल और पीएचडी छात्रों को प्रो. जाओडकर ने शोध के विषय का चयन कैसे किया जाए, शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर होता है, अंग्रेजी साहित्य में उच्च शिक्षा के उपरांत करिअर विकल्प पर बात की। छात्रों को प्रो. जाओड़कर ने बताया कि कितने प्रकार से किसी शोध पत्र को प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने शोध पत्र (थीसिस) लिखने के लिए

एमएलए स्टाइल शीट के प्रयोग का सुझाव दिया। प्रो. जाओड़कर ने छात्रों को बताया कि शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। उन्होंने शोध हेतु विभिन्न स्रोतों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे अंग्रेजी साहित्य में शोध के लिए कविताएं, उपन्यास, नाटक, निबंध इत्यादि प्राथमिक स्रोत होते हैं। अंग्रेजी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार और पत्रकार कमला मार्कंडेय पर किए गए एक शोध के हवाले से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने छात्रों को शोध हेतु किए जाने वाले उद्धरण, एंटी प्लेगिरिज्म(साहित्य चोरी) के विरुद्ध बने यूजीसी के नियमों के विषय में बताया। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता और अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. नवीन मेहता ने प्रो. विकास जाओड़कर को इस विशिष्ट व्याख्यान को प्रस्तुत करने और छात्रों का ज्ञानवर्धन करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल भोपाल, गुरुवार 23 मई 2019

आयोजन शोध में एमएल,स्टाइलशीट,हाईपोथीसिस और साइटेशन का महत्व किया रेखांकित

सांची विश्वविद्यालय में शोध लिखने के बताए गए तरीके

रायसेन, 22 मई। बुधवार को सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय बारला में अंग्रेज़ी विभाग द्वारा अंग्रेज़ी साहित्य में शोध पर प्रो.विकास जाओड़कर का व्याख्यान हुआ। प्रो जाओडकर ने एमए,एमफिल और पी.एच.डी छात्रों को शोध के विषय में बताते हुए कहा की चयन कैसे किया जाए शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर होता है अंग्रेज़ी साहित्य में उच्च शिक्षा के उपरांत करिअर विकल्प पर बात की।

छात्रों को प्रो जाओडकर ने बताया कि कितने प्रकार से किसी शोध पत्र को प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने शोध पत्र लिखने के लिए स्टाइल शीट का प्रयोग का सुझाव दिया। शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। उन्होंने शोध हेतु विभिन्न स्रोतों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे अंग्रेज़ी साहित्य में शोध के

अंग्रेजी साहित्य में शोध विधियों पर हुआ व्याख्यान का आयोजन

लिए कविताएं, उपन्यास,नाटक, निबंध इत्यादि प्राथमिक स्रोत होते हैं। अंग्रेज़ी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार और पत्रकार कमला मार्कंडेय पर किए गए एक शोध के हवाले से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों को बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को शोध हेतु किए जाने वाले उद्धरण,एंटी प्लेगिरिज्म(साहित्य चोरी) के विरुद्ध बने यूजीसी के नियमों के विषय में बताया। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता और अंग्रेज़ी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ नवीन मेहता ने प्रो.विकास जाओड़कर को इस विशिष्ट व्याख्यान को प्रस्तुत करने और छात्रों का ज्ञानवर्धन करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पत्रिका PLUS

पत्रिका Thu, 23 May 2019
epaper.patrika.com/c/39658515

सांची विश्वविद्यालय में व्याख्यान

कविताएं, उपन्यास और नाटक शोध के लिए प्राथमिक स्रोत

भोपाल ◆ सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा बुधवार को अंग्रेजी साहित्य में शोध कैसे किए जाएं, विषय पर हमीदिया कॉलेज में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास जाओड़कर का व्याख्यान हुआ। एमए, एमफिल और पीएचडी छात्रों को प्रो. जाओडकर ने शोध के विषय का चयन कैसे किया जाए, शोध निबंध व शोध पत्र में क्या अंतर होता है, अंग्रेजी साहित्य में उच्च शिक्षा के उपरांत करिअर विकल्प पर बात की। उन्होंने बताया कि शोध परिकल्पना को कैसे समझा जाए और किसी भी छात्र के विषय के लिए परिकल्पना क्या हो सकती है। उन्होंने शोध के लिए विभिन्न स्रोतों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे अंग्रेजी साहित्य में शोध के लिए कविताएं, उपन्यास, नाटक, निबंध इत्यादि प्राथमिक स्रोत होते हैं। अंग्रेजी भाषा की प्रसिद्ध उपन्यासकार कमला मार्कंडेय पर किए गए शोध के हवाले से बताया कि शोध को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने यूजीसी के नियमों के बारे में भी बताया।